कृष्ण क्रान्ति

छतरपुर

सोमवार, 28 मार्च 2016

जल संरक्षण का दिया संदेश

ग्राम हरद्वार में जलस्रोतों की सफाई

लवकुशनगर । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समिति की नामांकुर संस्था हरिहर गौशाला समिति द्वारा समीप स्थित ग्राम हरद्वार में जनसहयोग से जलस्रोतों की सफाई कर पानी बचाने का संदेश दिया गया। गांव के कुओं की सफाई में ग्रामीणों ने भी श्रमदान कर समिति पदाधिकारियों को सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम समन्वयक विकास गंगेले ने बताया कि समिति अध्यक्ष डॉशिवपूजन अवस्थी के दिशा निर्देशन में समिति पदाधिकारियों ने ग्राम हरद्वार में ग्रामीणों को पानी का महत्व समझाया और कुओं की सफाई कर पानी बचाने का संदेश दिया। जल है तो कल है के नारे के बीच सभी पदाधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर गांव स्थित कुओं की सफाई की ओर पानी न आने की स्थिति मेंमशीनों को लगाने पर भी विचार किया। समिति अध्यक्ष डॉ अवस्थी ने कहा कि पानी के बगैर मानव जीवन की कल्पना संभव नहींहै उनकी समिति इस प्रकार के जनहित से जुडे कार्यों को कर लोगों को भी इस दिशा में काम करने की प्रेरित करती है। उनके मुताबिक आगामी समय में भी इस प्रकार के शिविर क्षेत्र के अन्य गांवों में लगाकर ग्रामीणों को पानी के महत्व की समझाइश दी जाएगी। जलस्रोतों की सफाई के दौरान ग्रामीणों को सहयोग मिलने पर उन्होंने आभार प्रकट किया।

सांध्य दैनिक
छतरपुर टाइम्स

छतरपुर 29 मार्च मंगलवार, 2016

शासन की योजनाओं का भरपूर लाभ उठाएं : वीरेंद्र सराफ

जल के बिना जीवन संभव नहीं : डॉ. शिवपूजन अवस्थी

लवकुशनगर 29 मार्च। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था हरिहर गौशाला समिति एवं ऋषिकुल आश्रम समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम हरद्वार में जल संरक्षण की दिशा में वृहद योजना के साथ समस्त ग्रामवासियों के साथ मिलकर जल स्त्रोतों को सफाई का कार्य किया तथा लगभग 100वर्ष पुराने दो कुओं की सफाई की गयी।

वहीं समिति के माध्यम से शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बैठक के माध्यम से कार्यक्रम समन्वयक विकास गंगेले ने बताया कि स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण, जैविक कृषि, नारी जागृति, नशा मुक्ति जैसी योजनाओं की जानकारी दी गयी। भाजपा के जिला मंत्री वीरेंद्र सराफ ने बैठक के दौरान शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को गिनाते हुए लोगों से अपील की है कि शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, चूंकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं सभी के लिए है। वहीं समाजसेवी डॉ. शिवपूजन अवस्थी ने जल संरक्षण की दिशा में बात करते हुए लोगों को बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ा संकट पानी का है तथा पानी को संरक्षित करने की दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना होगा। विकास गंगेले ने कहा कि समिति के सहयोग से किए जा रहे कार्यों में ग्राम से सरपंच पति कुंजबिहारी बेलदार पूर्ण समर्पण के साथ, पूर्व सरपंच पूरन सिंह, मंगल सिंह, कल्ला अहिरवार, भागीरथ कुशवाहा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष भारतेंद्र प्रकाश, पूर्व मंडल महामंत्री भाजपा विदुर तिवारी, भूरा कुशवाहा, बबलू यादव, हुकूम सिंह ग्राम के युवा बुजुर्ग सभी एक साथ जलसंरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे है।

वहीं मौके पर पहुंचे पीएचई विभाग के सब इंजीनियर आरएल लक्ष्मण व मैकेनिक स्वर्णकार ने विभाग की संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी व ग्रामीणों द्वारा पानी को लेकर किए जा रहे विकास कार्यों में सहयोग का आहवान किया।

विंध्य-शक्ति छतरपुर
सोमवार, 30 मई 2011

नौतपा की गर्मी से पक्षियों को कूंड़े दिलाएंगे राहत

छतरपुर। इस समय सूर्य भगवान का प्रकोप उग्र दिखाई दे रहा है। लगातार बढ़ रहे तापमान से चारों ओर परेशानियां खड़ी हो रही हैं। सबसे ज्यादा समस्या पानी की है। आम आदमी तो अपने पीने के पानी की व्यवस्था जैसे-तैसे कर लेता है लेकिन बेजुबान जानवर और पक्षियों के सामने पीने के पानी की भारी दिक्कतें आ रही हैं। पानी न मिलने से ऐसे जीव-जंतु अकाल मौत के शिकार हो रहे हैं।

हिंदु उत्सव समिति द्वारा नौतपा की भीषण गर्मी से जानवरों एवं पक्षियों को निजात दिलाने यथा संभव प्रयास किए जा रहे हैं। गत रोज समाजसेवियों एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों की मौजूदगी में गांधी आश्रम सहित कई स्थानों पर पानी भरने के लिए मिट्टी के कूंडे टंगवाए गए। हिंदु उत्सव समिति के अध्यक्ष पवन मिश्रा के हवाले से संवाद प्रमुख कमल अवस्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ते तापमान से पानी का संकट भी गहरा गया है इसलिए खासतौर से पक्षियों को पीने का पानी उपलब्ध हो इसकी व्यवस्था की जा रही है। समिति द्वारा कई स्थानों पर मिट्टी के कूंड़े टंगवाए गए हैं तथा उनको लगातार पानी से भरने के लिए लोगों से आग्रह किया गया है ताकि पक्षियों को पानी मिल सके। समिति अध्यक्ष पवन मिश्रा ने लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने आसपास टंगे मिट्टी के कूंड़ों को लगातार पानी से भरते रहें ताकि बेजुबान पक्षियों की इस झुलसती गर्मी में जान बचाई जा सके। इस दौरान शीलिंग ग्रुप ऑफ एजूकेशन के एमडी संजीव नगरिया, डॉ अश्विनी दुबे, व्यवसायी कृष्णा रावत, शिव पूजन अवस्थी, नीलम रावत, बरखा मिश्रा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। श्री मिश्रा ने यह भी आग्रह किया है कि जहां भी उनकी समिति द्वारा पानी की टंकियां रखवाई गई हैं उन्हें भी नियमित भरा जाए जिससे आवारा घूम रहे जानवरों को पानी मिल सके।

दैनिक हम पाँच

नौतपा की गर्मी से पक्षियों को कूंड़े दिलाएंगे राहत

छतरपुर। इस समय सूर्य भगवान का प्रकोप उग्र दिखाई दे रहा है। लगातार बढ़ रहे तापमान से चारों ओर परेशानियां खड़ी हो रही हैं। सबसे ज्यादा समस्या पानी की है। आम आदमी तो अपने पीने के पानी की व्यवस्था जैसे-तैसे कर लेता है लेकिन बेजुबान जानवर और पक्षियों के सामने पीने के पानी की भारी दिक्कतें आ रही हैं। पानी न मिलने से ऐसे जीव-जंतु अकाल मौत के शिकार हो रहे हैं। हिंदु उत्सव समिति द्वारा नौतपा की भीषण गर्मी से जानवरों एवं पक्षियों को निजात दिलाने यथा संभव प्रयास किए जा रहे हैं। गत रोज समाजसेवियों एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों की मौजूदगी में गांधी आश्रम सहित कई स्थानों पर पानी भरने के लिए मिट्टी के कूंडे टंगवाए गए। हिंदु उत्सव समिति के अध्यक्ष पवन मिश्रा के हवाले से संवाद प्रमुख कमल अवस्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ते तापमान से पानी का संकट भी गहरा गया है इसलिए खासतौर से पक्षियों को पीने का पानी उपलब्ध हो इसकी व्यवस्था की जा रही है। समिति द्वारा कई स्थानों पर मिट्टी के कूंडें टंगवाए गए हैं तथा उनको लगातार पानी से भरने के लिए लोगों से आग्रह किया गया है ताकि पक्षियों को पानी मिल सके। समिति अध्यक्ष पवन मिश्रा ने लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने आसपास टंगे मिट्टी के कूंड़ों को लगातार पानी से भरते रहें ताकि बेजुबान पक्षियों की इस झुलसती गर्मी में जान बचाई जा सके। इस दौरान शीलिंग ग्रुप ऑफ एजूकेशन के एमडी संजीव नगरिया, डॉ अश्विनी दुबे, व्यवसायी कृष्णा रावत,शिव पूजन अवस्थी, नीलम रावत,बरखा मिश्रा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। श्री मिश्रा ने यह भी आग्रह किया है कि जहां भी उनकी समिति द्वारा पानी की टंकियां रखवाई गई हैं उन्हें भी नियमित भरा जाए जिससे आवारा घूम रहे जानवरों को पानी मिल सके।

दैनिक भास्कर

रैली निकलेगी और प्रतियोगिताएं होंगी

छतरपुर। अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर 22 मई को जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सुबह रैली, प्रश्नोत्तरी कार्यशाला और चित्रकला प्रतियोगिता सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों की रूपरेखा को तैयार कर लिया गया है। जिला पंचायत सीईओ भावना वालिंबे ने बताया कि जैवविविधता दिवस पर सुबह 7 बजे स्टेडियम से [illegible] रैली निकलेगी। रैली [illegible] चौराहा होते हुए गांधी आश्रम पहुंचेगी। गांधी आश्रम में 7.45 बजे वन जैवविविधता विषय पर प्रश्नोत्तरी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में वनसंरक्षक, महाराजा कॉलेज के प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापकों सहित विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान होंगे। गांधी आश्रम में ही 8 बजे से स्कूली छात्रों के लिए वन जैवविविधता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता कराई जाएगी। निर्णायक मंडल मौके पर ही अपना निर्णय देगा, और विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके बाद सुबह 9.15 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू होगा। कार्यक्रम में आकांक्षा तिवारी बनारस का गायन, शालिनी सिंह गाजियाबाद का कथक नृत्य और शिवपूजन अवस्थी के तबला वादन की प्रस्तुति होगी। डीईओ एसके त्रिपाठी को जैवविविधता दिवस के आयोजन के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। डीपीसी एसके शर्मा एवं सीएमओ सुधीर सिंह को भी आयोजन का दायित्व सौंपा गया है।

दैनिक शुभ भारत
छतरपुर, सोमवार 23 मई 2011

जैवविविधता संरक्षण जरूरी-कलेक्टर राहुल जैन

छतरपुर। अंतराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 22 मई को जिले में पूर्ण उत्साह के साथ मनाया गया। गांधी आश्रम छतरपुर में आयोजित मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री राहुल जैन मानव जीवन तथा प्राकृतिक पर्यावरण हेतु जैवविविधता के संरक्षण को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि हमें संसार में पशु पक्षियों फूल पत्तियों, कीडे मकौडों, वनस्पतियों और सभी जीवों की विभिन्न प्रजातियों का संरक्षण करना है। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गांधीवादी श्री एस.एन.हजारे, वनसंरक्षक श्री अनूप सिंह राजपूत, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भावना वालिम्बे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.के.त्रिपाठी, खेल एवं युवक कल्याण अधिकारी श्री प्रदीप अविद्रा, गांधी आश्रम के संयुक्त सचिव श्री संजय सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री लखनलाल असाटी ने किया।

वनसंरक्षक श्री अनूप सिंह राजपूत ने छात्रों को विविधता को समझाते हुये कहा कि जिस तरह एक छात्र का चेहरा दूसरे छात्र से अलग है यहीं विविधता है। जैव विविधता का अर्थ प्रकृति के जीवन में पाई जाने वाली विविधता है। एक्सीलेंस स्कूल छतरपुर की वरिष्ठ अध्यापक श्रीमती वंदना सिंह ने जैव विविधता विषय पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वन जैव विविधता विषय पर आयोजित की गई चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्रों को भी मौके पर नगद पुरूस्कार दिये गये। चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल श्री शैलेन्द्र कुमार गुप्ता, उपप्रबंधक जिला वनोपज यूनियन छतरपुर, श्री बीरेन्द्र प्रताप सिंह बुंदेला, संलग्न अधिकारी वनमंडल छतरपुर, श्री सुधीर कुमार क्षारी, सहायक प्राध्यापक फाईन आर्ट महाराजा कालेज, छतरपुर, एवं श्री शिवपूजन अवस्थी, संयोजक ग्रीष्मकालीन सृजनात्मक संगीत एवं कला शिविर गांधी आश्रम छतरपुर ने प्रतिभागी छात्रों द्वारा की गई चित्रकारी का मूल्यांकन कर उनकी रैंकिंग तय की।

छात्रों के सीनियर वर्ग कक्षा 9 से 12 तक में प्रथम स्थान श्री अमन खरे को प्राप्त हुआ, जिन्हें 1100/- रूपये का नगद पुरूस्कार दिया गया। जूनियर वर्ग कक्षा 4 से 8 तक में प्रथम स्थान श्री अखिल गनेश असाटी को प्राप्त हुआ, जिन्हें नगद 1000/- रूपये का पुरूस्कार प्रदाय किया गया। सीनियर में वर्ग में दूसरे स्थान पर कु.अर्चना अवस्थी को 800/- रूपये तथा तीसरे स्थान पर कु.लवली द्विवेदी को 600/- रूपये का नगद पुरूस्कार दिया गया। जूनियर वर्ग में दूसरे स्थान पर रही कु.मनाली बौद्ध को 700/- रूपये तथा तीसरे स्थान पर रहे श्री शलिल चौधरी को 500/- रूपये का नगद पुरूस्कार दिया गया। पुरूस्कार वितरण करते हुये जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भावना वालिम्बे एवं वनसंरक्षक श्री अनूप सिंह राजपूत ने कहा कि प्रतिभागी सभी छात्रों ने बेहतर कला का प्रदर्शन किया है और सर्वश्रेष्ट प्रतिभागियों को पुरूस्कृत किया गया है। उन्होंने सभी छात्रों से और अधिक बेहतर प्रदर्शन करने का आव्हान किया। प्रारंभ में सुबह 6.30 बजे स्टेडियम से गांधी आश्रम तक छात्रों की रैली का आयोजन किया गया जिसमें वनपरिक्षेत्र अधिकारी श्री के.बी.गुप्ता जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में लेखाधिकारी श्री आर.पी.तिवारी आदि ने सराहनीय सहयोग किया। गांधी आश्रम में आकांक्षा तिवारी वनारस का गायन, शालिनी सिंह गाजियाबाद का कथक नृत्य एवं शिवपूजन अवस्थी का तबला वादन ने सभी का मनमोह लिया। इस अवसर पर स्काउट एवं गाईड के दल ने व्यवस्थाओं को संभाला।

शुक्रवार, 24 मई, 2013
राज एक्सप्रेस

ऋषिकुल आश्रम समिति ने शुरू की प्याऊ व्यवस्था

राज न्यूज नेटवर्क

लवकुशनगर। पांच तत्वों से मिलकर बने इस शरीर में पानी का एक विशेष महत्व है। बिना पानी के जीवन संभव नहीं है। यदि हम पानी के महत्व को नहीं समझेंगे तो इसके हमें परिणाम भी भुगतने पड़ेंगे। यह बात मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति लवकुशनगर के सार्वजनिक प्याऊ के उद्घाटन अवसर पर भारतीय किसान संघ के प्रांतीय मंत्री वीरेन्द्र सराफ ने कही।

श्री सराफ ने कहा कि हम सभी को जल संरक्षण की दिशा में कार्य करना चाहिए। सबके प्रयास से ही पानी बचाने में कामयाबी मिल सकेगी। उन्होंने बच्चों एवं युवाओं से जल संरक्षण में सहयोग का आग्रह किया। युवा मोर्चा के जिला महामंत्री दीपक खरे, भाजपा युवा नेता योगेन्द्र प्रताप सिंह, सांसद प्रतिनिधि राजाबेटा पटेल एवं पं. उपेन्द्र नाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय की प्राचार्य सिम्मी बाजपेयी ने भी अपना बात रखी। इस अवसर पर रविन्द्र जड़िया, उप्पन गंगेले, संजय तिवारी, मयंक प्रजापति, आकाश जड़िया, आशीष तिवारी, ममता पाल, छवि विश्वकर्मा, आरती सिंह शकुन्तला जड़िया, पुनीत तिवारी आदि उपस्थित है। यह सार्वजनिक प्याऊ ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा संचालित किया गया। वहीं विगत रोज वैभव महिला संस्थान के सहयोग से अदालत परिसर में प्याऊ की शुरूआत की गई है जबकि नवांकुर संस्था प्रगति युवा विकास केन्द्र लवकुशनगर द्वारा स्टेट बैंक के सामने प्याऊ शुरू कराया गया है। मप्र जनअभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक हरीराम अहिरवार के मार्ग दर्शन में प्याऊ खुलवाए गए है।

शुक्रवार, 24 मई, 2013
राज एक्सप्रेस

ऋषिकुल आश्रम समिति ने शुरू की प्याऊ व्यवस्था

■ राज न्यूज नेटवर्क

लवकुशनगर। पांच तत्वों से मिलकर बने इस शरीर में पानी का एक विशेष महत्व है। बिना पानी के जीवन संभव नहीं है। यदि हम पानी के महत्व को नहीं समझेंगे तो इसके हमें परिणाम भी भुगतने पड़ेंगे। यह बात मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति लवकुशनगर के सार्वजनिक प्याऊ के उद्घाटन अवसर पर भारतीय किसान संघ के प्रांतीय मंत्री वीरेन्द्र सरांफ ने कही।

श्री सरांफ ने कहा कि हम सभी को जल संरक्षण की दिशा में कार्य करना चाहिए। सबके प्रयास से ही पानी बचाने में कामयाबी मिल सकेगी। उन्होंने बच्चों एवं युवाओं से जल संरक्षण में सहयोग का आग्रह किया। युवा मोर्चा के जिला महामंत्री दीपक खरे, भाजपा युवा नेता योगेन्द्र प्रताप सिंह, सांसद प्रतिनिधि राजाबेटा पटेल एवं पं. उपेन्द्र नाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय की प्राचार्य सिम्मी बाजपेयी ने भी अपना बात रखी। इस अवसर पर रविन्द्र जड़िया, उप्पन गंगेले, संजय तिवारी, मयंक प्रजापति, आकाश जड़िया, आशीष तिवारी, ममता पाल, छवि विश्वकर्मा, आरती सिंह शकुन्तला जड़िया, पुनीत तिवारी आदि उपस्थित है। यह सार्वजनिक प्याऊ ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा संचालित किया गया। वहीं विगत रोज वैभव महिला संस्थान के सहयोग से अदालत परिसर में प्याऊ की शुरूआत की गई है जबकि नवांकुर संस्था प्रगति युवा विकास केन्द्र लवकुशनगर द्वारा स्टेट बैंक के सामने प्याऊ शुरू कराया गया है। मप्र जनअभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक हरीराम अहिरवार के मार्ग दर्शन में प्याऊ खुलवाए गए है।

कृष्ण क्रान्ति

सतना

रविवार, 27 मार्च 2016

जल संरक्षण का दिया संदेश

ग्राम हरद्वार में जलस्रोतों की सफाई

लवकुशनगर । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समिति की नामाकुर संस्था हरिहर गौशाला समिति द्वारा समीप स्थित ग्राम हरद्वार में जनसहयोग से जलस्रोतों की सफाई कर पानी बचाने का संदेश दिया गया। गांव के कुओं की सफाई में ग्रामीणों ने भी श्रमदान कर समिति पदाधिकारियों को सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम समन्वयक विकास गंगेले ने बताया कि समिति अध्यक्ष डॉशिवपूजन अवस्थी के दिशा निर्देशन में समिति पदाधिकारियों ने ग्राम हरद्वार में ग्रामीणों को पानी का महत्व समझाया और कुओं की सफाई कर पानी बचाने का संदेश दिया। जल है तो कल है के नारे के बीच सभी पदाधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर गांव स्थित कुओं की सफाई की ओर पानी न आने की स्थिति मेंमशीनों को लगाने पर भी विचार किया। समिति अध्यक्ष डॉ अवस्थी ने कहा कि पानी के बगैर मानव जीवन की कल्पना संभव नहींहै उनकी समिति इस प्रकार के जनहित से जुडे कार्यों को कर लोगों को भी इस दिशा में काम करने की प्रेरित करती है। उनके मुताबिक आगामी समय में भी इस प्रकार के शिविर क्षेत्र के अन्य गांवों में लगाकर ग्रामीणों को पानी के महत्व की समझाइश दी जाएगी। जलस्रोतों की सफाई के दौरान ग्रामीणों को सहयोग मिलने पर उन्होने आभार प्रकट किया।

सागर, सोमवार, 01.02.2016

पत्रिका छतरपुर पत्रिका mp.patrika.com

कार्यशाला • जल प्रबंधन एवं कृषि विषय पर वैज्ञानिकों ने कहा-

जलसंरक्षण से दूर होगी पानी की समस्या

छतरपुर @ पत्रिका

mp.patrika.com/city

गांधी स्मारक भवन में जल प्रबंधन एवं कृषि विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने जल संकट से निबटने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि इससे पानी की समस्या दूर हो सकती है। वैज्ञानिक डॉ. चंद्र साहू ने कहा वर्षा जल का सही उपयोग करने के लिए प्रबंधन करना जरूरी है। इस विषय को लेकर कृषक व वैज्ञानिकों की समझ अलग-अलग है लेकिन प्रबंधन सही हो तो सूखा और बाढ़ दोनों से बचा जा सकता है। बुंदेलखण्ड के लिए अगर 50 फीसदी वर्षा का जल भी बचा लेते तो सालभर काम चल सकता है। इसलिए पानी को ग्रेनाइट के पहले स्तर में ही संरक्षित रखना जरूरी है। भूजल को 20-40 फुट के अंदर ही रखने की कोशिश करना और पांच साल लगातार करने के बाद ही ग्रेनाइट के पहले स्तर में स्वयं ही पानी की मात्रा में वृद्धि होगी। सोकपीट की लंबाई अधिक होना चाहिए।

कार्यशाला मे उपस्थित लोग।

कृषकों को दी जानकारी

डॉ. शिशिर पारीजा ने किसानों के लिएं नो कास्ट-तकनीकी पर बात की। उन्होंने जल प्रबंधन के साथ कृषि का संबंध एवं जैविक कृषि तकनीकी पर बात की। डॉ.भारतेंदु प्रकाश ने कहा बुंदेलखंड को वन एवं तीर्थ क्षेत्र के रूप मे विकसित करना होगा। पहले यहां लगभग 23 प्रकार की फसल विधि थी लेकिन जंगल और पहाड़ों पर संकट आने से वह विविधता समाप्त हो गई। डॉ. प्रकाश ने कहा जंगल और पहाड़ नहीं बना सकते। हां कचरे के पहाड़ जरूर बना रहे हैं। जंगल एवं पहाड़ों का सीधा संबंध पानी व कृषि पर है इनका नुकसान करने से ही अनियमित वर्षा व जलवायु में परिवर्तन हुआ है। अभी भी हम इन्हें संरक्षित कर स्थिति को संभाल सकते हैं। इस अवसर पर किसानो के प्रश्नों का जवाब भी विशेषज्ञों ने दिया। साथ में संबंधित साहित्य भी दिया गया। इस मौके पर संजय सिंह, प्रेमनारायण मिश्र, अवधेश नारायण तिवारी, भगवान चरण, भागचंद्र पटेल, रामचरण पटेल, भवानीदीन कुशवाहा, संतोष विश्वकर्मा, धर्मेंद्र छत्रै बंहोरी, शिशिर सामंत, शोभना श्रीवास्तव, विनोद रावत, बब्बू पाल, भूपेंद्र त्रिपाठी, संजय चौधरी आदि मौजूद रहे।